सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–3 : हिन्दी

सत्र :..

विद्यालय का नाम : ....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : ....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 3 से 5 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

बोलना–सुनना

- दूसरों के विचार को ध्यान एवं धैर्य के साथ सुनकर समझना और अपनी सोच विकसित करना।
- किस्से–कहानियाँ सुनकर आनंद प्राप्त करना।
- ऐतिहासिक घटनाएँ सुनकर अपनी सांस्कृतिक धरोहर के बारे में जानना।
- कविताएँ सुनकर उसके अर्थ एवं भाव को समझना एवं आनन्द की अनुभूति करना।
- नए शब्दों को सुनकर उनके अर्थ समझना।
- रोचक कहानी–कविता आदि सुनकर अपने अनुभव में वृद्धि करना।
- सुने गए भावों–विचारों पर चिन्तन करना।
- सहज रूप से अपनी बात कह पाना।
- परिस्थिति एवं अवसर के अनुरूप अपनी बात कह सकना।
- सशक्त रूप से अपनी बात कहना।
- बोलने के शिष्टाचार का पालन करना।
- गीत–कविता आदि को लय–ताल के साथ बोलना।

पढ़ना

- पढ़ने के प्रति रुचि होना।
- पढ़ते समय अपरिचित शब्दों का संदर्भ के आधार पर अनुमान लगाना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं यथा– कहानी, गीत, संवाद, निबंध आदि से परिचित होकर उन विधाओं की अन्य पुस्तकें पढ़ना।
- पुस्तकालय संबंधी सक्रियता होना।
- दूसरे के विचारों को पढ़कर समझना।
- पठन द्वारा ज्ञान प्राप्ति एवं आनन्द प्राप्त में समर्थ होना।
- पाठ में निहित मूल भाव, विचार या बिन्दु को समझना।
- विषय–सामग्री के माध्यम से नए शब्दों का अर्थ जानना।
- नए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढना।
- विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक संदर्भों से जुड़ना।
- परिवेश में उपलब्ध पाठ्य सामग्री के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करना।
- पाठ्य सामग्री द्वारा प्रजातांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न होना।
- पाठ्य सामग्री (अखबार, पत्र–पत्रिका आदि) को पढ़कर उन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (जैसे– टी.वी., इन्टरनेट, मोबाइल आदि) परिवेश में उपलब्ध विज्ञापन आदि को पढ़कर समझ विकसित होना।

लिखना

- स्पष्टता के साथ लिखना।
- प्रश्न के अनुरूप उत्तर को अपने शब्दों में लिखना।
- आत्मविश्वास के साथ लिखना।
- भावों, विचारों, अनुभवों व चिन्तन को अपने शब्दों में लिखना।
- विषय के अनुसार विचारों को लिखित अभिव्यक्ति करना।
- विभिन्न परिस्थितियों/काल्पनिक घटनाओं को अपने शब्दों में लिख पाना।
- सुनकर लिख पाना।
- विभिन्न अवसरों पर निबंध, कहानी, कविता, स्लोगन लेखन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी रचनात्मक अभिवृत्ति का विकास करना।
- कविता, कहानी आदि का सृजन करना।
- किसी कविता, कहानी आदि को आगे बढ़ाना।

परिवेशीय सजगता

- प्राकृतिक और अन्य घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करना।
- देखी–सुनी घटनाओं के घटनाक्रम को समझना और समझाना।
- आस–पास मौजूद हालातों आदि के बारे में सवाल करना।
- अपने आस–पास मौजूद पशु–पक्षिओं, पेड़–पौधों, इमारतों, लोगों (बुजुर्गों, महिलाओं, चुनौती वाले लोगों, दोस्तों) के प्रति सम्मान, मित्रता, सहिष्णुता का भाव रखना।
- व्यक्तिगत, घरेलू और विद्यालय स्तर पर चीज़ों के व्यर्थ इस्तेमाल को रोकना।

व्यावहारिक व्याकरण

शब्द भण्डार में वृद्धि हेतु नए शब्द, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया, पर्यायवाची, विलोम, शब्द, लिंग, वचन कारक, उपसर्ग, प्रत्यय आदि की समझ विकसित करना। कक्षा स्तरानुरूप मुहावरे, लोकोक्ति व कहावतों का प्रयोग तथा विराम चिह्नों आदि की पहचान तथा इनका संदर्भ में उपयोग कर पाना।

प्रथम टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं संबंधित पाठ

पाठ–1 : मन करता है (कविता)

- कविता को हाव भाव एवं उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ना।
- अपने अनुभवों को समूह चर्चा के दौरान शेयर करना।
- कविता को समझ कर उसके अर्थ से सहसंबंध जोड़ना।
- कल्पना करते हुए प्रश्नों के उत्तर लिखना एवं स्वयं के विचारों को लिखकर व्यक्त करना।
- शब्दों के अन्त में आ रही ध्वनि के आधार पर नए शब्द बनाना।
- अपनी मनपंसद चीज़ों के बारे में परिवेशीय भाषा के साथ सहसंबंध जोड़ कर लिखना।
- भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन – विभिन्न आधारों पर वर्गीकरण करना।

चाँद की खातिर

- पढ़ने की ललक होना।
- पढ़कर कक्षा में कहानी को अपने शब्दों में सुनाना।

पाठ–2 : आसमान गिरा (कहानी)

- कहानी को धाराप्रवाह गति के साथ पढ़ना।
- कहानी पढ़कर उससे सम्बन्धित बात को अपने शब्दों में बता पाना एवं उससे सम्बन्धित प्रश्न बनाकर पूछना।
- किसी कथन, संवाद एवं दिए गए प्रश्नों के आधार पर पूरे वाक्यों में विस्तार से उत्तर देना।
- संयुक्ताक्षरों से सम्बन्धित शब्दों को पढ़ना।
- पूर्व ज्ञान के आधार पर विभिन्न जानवरों के नामों को लिखकर वर्गीकरण करना।
- पढ़कर विलोम एवं सर्वनाम शब्दों शब्दों को समझना।
- अपने अनुभवों को समूह में रख पाना, दूसरों के विचार सुनाना।
- अभिनय एवं मुखौटों का निर्माण करना।

पाठ –3 रेगिस्तान का जहाज (कहानी)

- कहानी को पढ़कर यात्रा के प्रसंग को समझना एवं अपने अनुभव के साथ जोड़ना।
- प्रश्नों को पढ़कर समझना एवं अनुभव के आधार पर अभिव्यक्त करना।
- शब्दों को उनके अर्थ के साथ सहसंबंध बनाते हुए पढ़ना।
- पढ़कर नई जानकारियों की खोज करना एवं समूह में शेयर करना।
- पहेलियों को पढ़कर समझना एवं हल करना।
- अपने अनुभवों को चर्चा के माध्यम से बताना।
- वाक्य को पढ़कर तर्क के साथ अपने विचार बताना।
- संज्ञा नामों को वर्गीकृत करना।
- चित्र के आधार पर वाक्य निर्माण करना।

चित्रकथा

- चित्रकथा के आधार पर क्रम से कहानी बनाकर बताना।
- चित्र को देखकर उपसमूहों में चर्चा कर पाना और समूह में अपने समूह की बात को रखना।

पाठ– 4 ना धिन धिन्ना (कविता)

- पढ़कर समझना और समूह में व्यक्त करना।
- शब्दों के आधार पर वाक्य सृजन करना।
- पढ़कर समझते हुए नवीन जानकारियों को खोजना एवं समूह में अभिव्यक्त करना।
- परिवेशीय वाद्य यंत्रों से परिचित होना, चित्रांकन एवं रंग संयोजन करना।
- प्रश्नों के कारण सहित उत्तर लिखना।
- जानकारी एकत्रित करना और उसे वर्गीकृत करना।
- समूह में पढ़ी कविता को हावभाव ,लय व आनन्द के साथ गाना।

पहेलियाँ

- पहेलियों को पढ़कर समझना एवं उनके हल स्वयं खोजना।
- नवीन पहेलियों का संकलन करना और कक्षा में पहेलियाँ पूछ पाने की पहल करना।

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के उपसमूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

उपसमूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

उपसमूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

नोट : हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय में उपसमूह एक अथवा दो में पदस्थापन सत्रारंभ में किए गए आधार रेखा आकलन अथवा पूर्व कक्षा के योगात्मक आकलन के आधार पर किया जाएगा। जबकि पर्यावरण अध्ययन एवं कला शिक्षण में दैनन्दिक शिक्षण प्रक्रिया के अनुसार बदलते हुए उपसमूह बनाए जा सकते हैं।

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई अथवा पढ़ी हुई कविता, गीत को लय एवं हावभाव के साथ स्पष्ट शब्दों में पहल करते हुए अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या,कहाँ,कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																									
	II																									
अपनी पसंद/नापसंद या अन्य सामाजिक मुद्दों पर चल रही चर्चा में अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
उचित गति, स्पष्ट उच्चारण एवं भाव के साथ पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
पहेलियों को पढ़कर समझते हुए संदर्भ के अनुसार हल कर पाना।	I																									
	II																									
सही शब्द के चुनाव के साथ वाक्य पूरा कर पाना।	I																									
	II																									
पठित विषयवस्तु पर कक्षा में व बाहर अपने दोस्तों के साथ चर्चा कर पाना।	I																									
	II																									
दी गयी शब्द सामग्री को प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
लिखना																										
उपयुक्त दूरी, सीधी लाइन, शिरो रेखा एवं उचित विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्रों आदि को देख कर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए 6–8 वाक्यों में लिख पाना।	I																									
	II																									
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के अनुसार स्वयं की बात को लिख पाना।	I																									
	II																									
अपने अनुभव/पूर्वज्ञान के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में स्वतन्त्र रूप से संज्ञा नाम बता पाना (लिखित/मौखिक)।	I																									
	II																									
विभिन्न संज्ञा नामों का वर्गीकरण कर पाना।	I																									
	II																									
सर्वनाम शब्दों की पहचान एवं प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
कागज से मुखौटे या अन्य वस्तुएँ बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेश से सम्बन्धित विभिन्न पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार रंग का संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई अथवा पढ़ी हुई कविता, गीत को लय एवं हावभाव के साथ स्पष्ट शब्दों में पहल करते हुए अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या,कहाँ,कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																									
	II																									
अपनी पसंद/नापसंद या अन्य सामाजिक मुद्दों पर चल रही चर्चा में अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
उचित गति, स्पष्ट उच्चारण एवं भाव के साथ पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
पहेलियों को पढ़कर समझते हुए संदर्भ के अनुसार हल कर पाना।	I																									
	II																									
सही शब्द के चुनाव के साथ वाक्य पूरा कर पाना।	I																									
	II																									
पठित विषयवस्तु पर कक्षा में व बाहर अपने दोस्तों के साथ चर्चा कर पाना।	I																									
	II																									
दी गयी शब्द सामग्री को प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
लिखना																										
उपयुक्त दूरी, सीधी लाइन, शिरो रेखा एवं उचित विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्रों आदि को देख कर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए 6–8 वाक्यों में लिख पाना।	I																									
	II																									
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के अनुसार स्वयं की बात को लिख पाना।	I																									
	II																									
अपने अनुभव/पूर्वज्ञान के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में स्वतन्त्र रूप से संज्ञा नाम बता पाना (लिखित/मौखिक)।	I																									
	II																									
विभिन्न संज्ञा नामों का वर्गीकरण कर पाना।	I																									
	II																									
सर्वनाम शब्दों की पहचान एवं प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
कागज से मुखौटे या अन्य वस्तुएँ बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेश से सम्बन्धित विभिन्न पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार रंग का संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

(कक्षा–3 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* वर्णाकृतियों की ध्वनि पहचान करते हुए पढ़ पाना	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।	I																								
	II																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।	I																								
	II																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।	I																								
	II																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।	I																								
	II																								

संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं संबंधित पाठ

पाठ–5 : मैं सड़क हूँ (आत्मकथा)

- विषयवस्तु को पढ़कर समझना एवं जानकारी प्राप्त करते हुए नियमों के प्रति सजग होना।
- नवीन शब्दों से परिचय कर स्वयं की भाषा में प्रयोग करना।
- पढ़ी गई सामग्री को समझकर सही/गलत को समझ पाना एवं तर्क के साथ जबाव तलाश कर बताना।
- विराम चिह्नों को समझकर स्वयं के लेखन में इस्तेमाल करना तथा सुन्दर व सफाई के साथ लेखन करना।
- विशेषण शब्दों को समझकर स्वयं के लेखन में इस्तेमाल करना।
- अपने मनपसंद विषय पर स्वयं की कल्पना के आधार पर लिखना।
- चित्र देखकर उस पर विवरणात्मक अनुच्छेद लिखना।
- संकेत चिह्नों को समझ कर समूह में व्याख्यित करना।

पाठ– 6 अजमेर की सैर (यात्रा वृत्तांत)

- पढ़कर समझना एवं समूह में संबंधित जानकारी के साथ स्वयं के यात्रा के अनुभवों को भी जोड़ना और समूह में व्यक्त करना।
- पढ़ी गई सामग्री को समझकर सही/गलत को समझ पाना एवं कारण सहित प्रश्नों के जवाब लिखना।
- पढ़ी सामग्री में से मुहावरों को समझना एवं खोज कर लिखना।
- वाक्य सृजन के कौशल में अधिकता के लिए लिखे जाने वाले शब्दों को समझना एवं अपनी लेखनी में प्रयोग करना।
- पढ़कर समझना एवं वचन का सही प्रयोग करना।
- निर्देशानुसार स्वयं की बात तर्क के साथ समूह में बताना।

पाठ – 7 पतंगों का मौसम (कविता)

- पढ़कर कविता के भाव को समझना ।
- कविता को समूह में लय एवं हावभाव के साथ सुनाना।
- अपनी पसंद को कारण सहित व्यक्त करना।
- तुक के अनुसार शब्द बनाना।
- विशेषता वाले शब्दों को समझकर पहचानना एवं विशेषण का वचन के साथ प्रयोग करना।

पाठ– 8 कौन है चोर (कहानी)

- कहानी को धाराप्रवाह गति से पढ़कर समझना।
- नवीन शब्दों को समझ कर स्वयं की भाषा में इस्तेमाल करना।
- खोज करना एवं कक्षा में चुटकुलों को कहना।
- पढ़कर समझना, वचन का सही इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाना।
- प्रश्नों को पढ़कर समझना, उनके उत्तर स्वयं एवं कल्पना के आधार पर लिखना।
- शब्द की अन्तिम ध्वनि एवं संयुक्ताक्षर को समझना तथा स्वयं खोजकर लिखना।
- मुहावरों को समझ पाना, खोजकर स्वयं अर्थ का पता लगाने के लिए विभिन्न स्रोतों का पता लगाना।
- पर्यायवाची शब्दों को पढ़कर समझना।

ये तेरा घर ये मेरा घर

- पढ़ने के प्रति रुचि होना।
- पढ़ी हुई कविता को समूह में सुनाना।
- चित्र के अनुसार रंग संयोजन करना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई अथवा पढ़ी हुई कविता, गीत को लय और हावभाव के तालमेल के साथ स्पष्ट शब्दों में स्वयं पहल के साथ अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या,कहाँ,कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग/चुटकुले आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न मुद्दों पर कक्षा में या बाहर होने वाली चर्चा में अपनी बात को व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित सामग्री को विराम चिह्न को ध्यान में रखते हुए उचित गति व स्पष्ट उच्चारण, भाव के साथ पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार उचित शब्दों का चयन करके वाक्य लिख पाना।	I																									
	II																									
पठित विषयवस्तु से संबंधित कक्षा में व कक्षा से बाहर अपने दोस्तों के साथ चर्चा कर पाना।	I																									
	II																									
पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य पुस्तकों को पढ़ने के प्रति पहल कर पाना एवं उससे संबंधित अनुभव कक्षा में बता पाना।	I																									
	II																									
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी, सीधी लाइन, शिरो रेखा एवं उचित विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्रों आदि को देखकर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए 6 से 8 वाक्यों में अपनी बात लिख पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के अनुसार स्वयं की बात को लिख पाना।	I																									
	II																									
अपने अनुभव/पूर्वज्ञान के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख पाना।	I																									
	II																									
दी गई कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों की अन्तिम ध्वनि के आधार पर नवीन शब्दों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मुहावरों की प्रारंभिक समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
वचन एवं पर्यायवाची शब्दों की पहचान एवं प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
कागज से वस्तुएँ बनाकर उनको बनाने की विधि बता पाना।	I																									
	II																									
परिवेश से सम्बन्धित विभिन्न पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार उचित रंग का संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई अथवा पढ़ी हुई कविता, गीत को लय और हावभाव के तालमेल के साथ स्पष्ट शब्दों में स्वयं पहल के साथ अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या,कहाँ,कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग/चुटकुले आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न मुद्दों पर कक्षा में या बाहर होने वाली चर्चा में अपनी बात को व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित सामग्री को विराम चिह्न को ध्यान में रखते हुए उचित गति व स्पष्ट उच्चारण, भाव के साथ पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार उचित शब्दों का चयन करके वाक्य लिख पाना।	I																									
	II																									
पठित विषयवस्तु से संबंधित कक्षा में व कक्षा से बाहर अपने दोस्तों के साथ चर्चा कर पाना।	I																									
	II																									
पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य पुस्तकों को पढ़ने के प्रति पहल कर पाना एवं उससे संबंधित अनुभव कक्षा में बता पाना।	I																									
	II																									
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी, सीधी लाइन, शिरो रेखा एवं उचित विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्रों आदि को देखकर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए 6 से 8 वाक्यों में अपनी बात लिख पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के अनुसार स्वयं की बात को लिख पाना।	I																									
	II																									
अपने अनुभव/पूर्वज्ञान के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख पाना।	I																									
	II																									
दी गई कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों की अन्तिम ध्वनि के आधार पर नवीन शब्दों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मुहावरों की प्रारंभिक समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
वचन एवं पर्यायवाची शब्दों की पहचान एवं प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
कागज से वस्तुएँ बनाकर उनको बनाने की विधि बता पाना।	I																									
	II																									
परिवेश से सम्बन्धित विभिन्न पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार उचित रंग का संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धितमासिक समेकित रचनात्मक आकलन

(कक्षा–3 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* वर्णाकृतियों की ध्वनि पहचान करते हुए पढ़ पाना	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।	I																								
	II																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।	I																								
	II																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।	I																								
	II																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।	I																								
	II																								

संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									

तृतीय टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं संबंधित पाठ

पाठ–9 : छगन और बौने (कहानी)

- कहानी को पढ़कर समझना एवं पाठ की विषयवस्तु के बारे में समूह में अभिव्यक्त करना।
- कहानी को पढ़ने के प्रति रुचि जागृत करना।
- उचित शब्दों का चयन करते हुए वाक्य सृजन करना।
- विलोम शब्दों की पहचान करना एवं निर्देशों को समझकर वाक्य में प्रयोग करना।
- विशेषण शब्दों की पहचान कर उनका प्रयोग करना।
- प्रश्नों के उत्तर अपनी कल्पना के आधार पर कारण सहित लिखना।
- कागज से बनायी जाने वाली चीज़ों की खोजकर संकलन करना।
- चित्र दृश्य में उचित रंग संयोजन करते हुए कल्पना के आधार पर वाक्य बनाना।

पाठ – 10 पलक की दौड़

- पाठ को पढ़कर समझना एवं उसमें निहित भाव को व्यक्त करना।
- शब्दों को अर्थ के साथ मिलाकर पढ़ना एवं उनका अपनी भाषा में अनुप्रयोग करना।
- विशेष रूप से सक्षम लोगों के प्रति संवेदनशील हो पाना एवं आवश्यकतानुसार उनकी मदद करना।
- प्रश्नों को पढ़कर समझना, मौखिक रूप से अभिव्यक्त करना एवं तर्क के साथ उत्तर लिखना।
- विपरीत अर्थ वाले शब्द को पढ़कर समझना एवं उनका सही प्रयोग करना।
- खेलों के आधार पर इनमें काम आने वाली सामग्री को समझना।
- चित्र दृश्य के आधार पर अपने विचारों को लिखना एवं उचित रंग संयोजन करना।

पाठ –11 भारत कितना प्यारा है (कविता)

- कविता को धाराप्रवाह गति से पढ़कर समझना।
- कविता के भाव को समझ कर बताना।
- अनुस्वार व अनुनासिक वाले शब्दों को समझकर पढ़ना एवं लिखना।
- स्चयं को अच्छी लगने या न लगने वाली चीज़ों के बारे में एवं अनुभव को चल रही चर्चा में अभिव्यक्त करना।
- स्वयं की बात को सोचकर लिखना एवं किसी पात्र पर कल्पना के साथ अपने विचार लिखना।
- मानक शब्दों को अपनी भाषा में प्रयोग करना।
- वचन की समझ एवं उसे वर्गीकृत करना।
- कविता को हावभाव के साथ अभिव्यक्त करना।

पाठ–12 इमरती बाई (कहानी)

- कहानी को पढ़कर समझना एवं उसके भाव को समूह में बताना।
- नवीन शब्दों के अर्थ को पढ़कर समझना एवं सही जगह उनका अनुप्रयोग करना।
- प्राकृतिक एवं अन्य घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बताना एवं उनके प्रति संवेदनशील होना।
- प्रश्नों के उत्तर कारण सहित बताना।
- सर्वनाम शब्द की पहचान व समझ के साथ सही जगह अनुप्रयोग करना।
- एक शब्द के समानार्थी शब्दों को समझना।
- राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में राज्य द्वारा घोषित पशु, पुष्प, पक्षी एवं वृक्ष को समझना।

चिरमी

- परिवेशीय संस्कृति से परिचित होना।
- स्वयं पढ़ने के प्रति रुचि व ललक पैदा होना।
- गाकर समूह में सुनाना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई अथवा पढ़ी हुई कविता, गीत को लय और हावभाव के तालमेल के साथ स्पष्ट शब्दों में स्वयं पहल के साथ अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या, कहाँ, कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम के अनुसार कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय एवं सामाजिक मुद्दों पर कक्षा में होने वाली चर्चा में अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
दिए गए संदर्भ के आधार पर दो पात्रों के मध्य संवाद को कल्पना करते हुए बता पाना।	I																									
	II																									
सुनी हुई कहानी/कविता के बारे में अपनी बात को पसंद या नापसंद के संदर्भ में रख पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
विराम चिह्नों को ध्यान में रखते हुए उचित गति व स्पष्ट उच्चारण, भाव के साथ पढ पा़ना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
पहेलियों को पढ़कर उनके अर्थ का अनुमान लगाकर उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ एवं विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में वाक्यों के लिए सही शब्द का चुनाव कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
पठित विषयवस्तु पर कक्षा में व बाहर अपने दोस्तों के साथ चर्चा कर पाना।	I																									
	II																									
दी गयी शब्द सामग्री को प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																									
	II																									
पठित सामग्री में आए नवीन शब्दों/परिवेशीय शब्दों के अर्थ एवं मानक रूप को समझ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु को पढ़कर उससे सम्बन्धित जानकारियों को एकत्रित कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी, सीधी लाइन, शिरो रेखा के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्रों आदि को देखकर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए उचित विराम चिह्नों के इस्तेमाल के साथ 6 से 8 वाक्यों में लिख पाना।	I																									
	II																									
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के आधार पर स्वयं की बात को लिख पाना।	I																									
	II																									
अपने अनुभव/पूर्वज्ञान के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु आधारित दिए गए प्रश्नों (क्या, कौन, कहाँ, कैसे, कौनसे) के उत्तर पूरे वाक्यों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार अपने अनुभवों एवं पूर्व अवलोकित चीज़ों के बारे में लिखकर व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार दिए जाने वाले संवादों का अपनी कल्पना के आधार पर लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
संज्ञा शब्दों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
वचन शब्दों की पहचान एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सर्वनाम शब्दों का उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विपरीत अर्थ वाले शब्दों की पहचान एवं वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यायवाची शब्दों को पहचान पाना एवं प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
कागज से अपनी मन पसंद की सामग्री बना पाना ।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार रंग का संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी व पढ़ी कहानी, कविता, विशेष विषयवस्तु से सम्बन्धित एवं स्वतंत्र रूप से चित्र बना पाना एवं नाम दे पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई अथवा पढ़ी हुई कविता, गीत को लय और हावभाव के तालमेल के साथ स्पष्ट शब्दों में स्वयं पहल के साथ अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या, कहाँ, कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम के अनुसार कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय एवं सामाजिक मुद्दों पर कक्षा में होने वाली चर्चा में अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
दिए गए संदर्भ के आधार पर दो पात्रों के मध्य संवाद को कल्पना करते हुए बता पाना।	I																									
	II																									
सुनी हुई कहानी/कविता के बारे में अपनी बात को पसंद या नापसंद के संदर्भ में रख पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
विराम चिह्नों को ध्यान में रखते हुए उचित गति व स्पष्ट उच्चारण, भाव के साथ पढ पा़ना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
पहेलियों को पढ़कर उनके अर्थ का अनुमान लगाकर उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ एवं विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में वाक्यों के लिए सही शब्द का चुनाव कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
पठित विषयवस्तु पर कक्षा में व बाहर अपने दोस्तों के साथ चर्चा कर पाना।	I																									
	II																									
दी गयी शब्द सामग्री को प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																									
	II																									
पठित सामग्री में आए नवीन शब्दों/परिवेशीय शब्दों के अर्थ एवं मानक रूप को समझ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु को पढ़कर उससे सम्बन्धित जानकारियों को एकत्रित कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी, सीधी लाइन, शिरो रेखा के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्रों आदि को देखकर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए उचित विराम चिह्नों के इस्तेमाल के साथ 6 से 8 वाक्यों में लिख पाना।	I																									
	II																									
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के आधार पर स्वयं की बात को लिख पाना।	I																									
	II																									
अपने अनुभव/पूर्वज्ञान के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु आधारित दिए गए प्रश्नों (क्या, कौन, कहाँ, कैसे, कौनसे) के उत्तर पूरे वाक्यों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार अपने अनुभवों एवं पूर्व अवलोकित चीज़ों के बारे में लिखकर व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार दिए जाने वाले संवादों का अपनी कल्पना के आधार पर लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
संज्ञा शब्दों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
वचन शब्दों की पहचान एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सर्वनाम शब्दों का उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विपरीत अर्थ वाले शब्दों की पहचान एवं वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यायवाची शब्दों को पहचान पाना एवं प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
कागज से अपनी मन पसंद की सामग्री बना पाना ।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार रंग का संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी व पढ़ी कहानी, कविता, विशेष विषयवस्तु से सम्बन्धित एवं स्वतंत्र रूप से चित्र बना पाना एवं नाम दे पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

(कक्षा–3 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* वर्णाकृतियों की ध्वनि पहचान करते हुए पढ़ पाना	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।	I																								
	II																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।	I																								
	II																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।	I																								
	II																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।	I																								
	II																								

संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									

चतुर्थ टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं संबंधित पाठ	
पाठ–13 : चित्रकार मोर (कहानी) • कहानी को धारा प्रवाह गति से पढ़ना एवं उसके प्रसंग को समूह में सुनाना। • प्रश्नों के उत्तर स्व विवेक एवं तर्क के साथ देना। • कहानी के घटनाक्रम को सही क्रम में लिखना। • संज्ञा, वचन की समझ के साथ प्रयोग करना। • मुहावरों के बारे में और जानने की उत्सुकता रखना। • कक्षा में विभिन्न मुद्दों पर होने वाली चर्चा में भागीदारी करना एवं जानकारी को बताना। • निर्देशानुसार रंग संयोजन करना। • खेल के नियमों को समझना, खेल में सहभागिता करना। • परिवेशीय पक्षियों के बारे में जानकारी एकत्रित करना एवं नाम, रंग व बोली को पहचानकर लिखना। **पाठ–14 : काठ की पुतलीः नाचे, गाए (नाटक)** • नाटक को रुचि के साथ पढ़ना और संवादों को बोलने के प्रति पहल करना। • शब्दों के अर्थ को पढ़कर समझते हुए अनुप्रयोग करना। • विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर कारण सहित लिखना। • लिंग की पहचान के साथ उपयुक्त प्रयोग करना। • विभिन्न पात्रों का अभिनय करते हुए संवाद बोलना। • पढ़ने के प्रति रुचि बना पाना एवं नवीन जानकारियों को जानने के प्रति रुचि रखना। **पाठ–15 : छोटे से बड़े (कवितामय कहानी)** • नई विधा से परिचित होना एवं उचित गति के साथ पढ़ना।	• सोचकर अपनी बात को अभिव्यक्त करना। • कविता के भाव को समझ कर व्यक्त करना। • संज्ञा, विलोम एवं क्रिया को समझना। • प्रश्नों के उत्तर स्वयं लिखना। • पर्यायवाची शब्दों के बारे में जानकारी बढ़ाना। • वर्णमाला का अनुप्रयोग करना। • स्वयं के अनुभवों को किसी संदर्भ में लिखकर बताना। • स्वयं कार्य करने के प्रति रुचि दिखाना। **पाठ–16 : रानी की मुसीबत (कहानी)** • धारा प्रवाह गति से पढ़कर उसके भाव को व्यक्त करना। • प्रश्नों को पढ़कर समझना एवं उत्तर लिखना। • कहानी के आधार पर घटनाओं को बताना। • अनुभव के आधार पर लेखन करना। • लिंग एवं क्रिया शब्दों को समझना। • अनुमान के आधार पर लेखन करना। • चित्र के आधार पर क्रमिकता को समझते हुए कहानी बनाना एवं लेखन करना। **मुझे बचाओ** • पढ़ने के प्रति रुचि होना। • पढ़ी हुई कहानी को समूह में शेयर करना। • संबंधित जानकारी के आधार पर प्रश्न करना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी अथवा पढ़ी कविता, गीत को लय और हावभाव के साथ स्पष्ट शब्दों में पहल के साथ अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या, कहाँ, कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																									
	II																									
अपने परिवेश या सामाजिक मुद्दों पर चर्चा के दौरान अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
दिए गए संदर्भ के आधार पर दो पात्रों के मध्य संवाद को कल्पना करते हुए बता पाना।	I																									
	II																									
सुनी हुई कहानी/कविता /नाटक के बारे में अपनी बात को पसंद या नापसंद के संदर्भ में रख पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
विराम चिह्न को ध्यान में रखते हुए उचित गति व स्पष्ट उच्चारण, भाव के साथ पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/ प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
पहेलियों को पढ़कर उनके अर्थ का अनुमान लगाकर उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
दी गयी शब्द सामग्री को प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त करना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																									
	II																									
पठित सामग्री में आए नवीन शब्दों/परिवेशीय शब्दों के अर्थ एवं मानक रूप को समझ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु को पढ़कर उससे सम्बन्धित जानकारियों को एकत्रित कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी, सीधी लाइन, शिरो रेखा के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्रों आदि को देखकर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए उचित विराम चिह्नों के साथ 6 से 8 वाक्य लिख पाना।	I																									
	II																									
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के जवाब स्वयं लिख पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार अपने अनुभवों एवं पूर्व अवलोकित चीज़ों के बारे में लिखकर व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
चित्रों की क्रमबद्धता को समझते हुए स्वयं कहानी लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
संज्ञा शब्दों की पहचान के साथ वर्गीकरण कर पाना।	I																									
	II																									
सर्वनाम शब्दों की पहचान एवं प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनको वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
मुहावरों की प्रारंभिक समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यायवाची शब्दों को पहचानते हुए प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विपरीत अर्थ वाले शब्दों की पहचान एवं वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
वचन एवं लिंग की पहचान कर पाना एवं उनका उचित स्थान पर प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
क्रिया की आरंभिक पहचान करते हुए वाक्य बना पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
संदर्भ के अनुसार पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार उचित रंग का संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी व पढ़ी कहानी, कविता, विशेष विषयवस्तु से सम्बन्धित एवं स्वतंत्र रूप से चित्र बना पाना एवं नाम दे पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री के बारे में जानकारी एकत्रित कर पाना एवं स्वयं बनाने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी अथवा पढ़ी कविता, गीत को लय और हावभाव के साथ स्पष्ट शब्दों में पहल के साथ अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी कविता/कहानी/प्रसंग आदि से सम्बन्धित (क्या, कहाँ, कैसे, कौन से, क्यों) वाले प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी घटना/कहानी/प्रसंग आदि विभिन्न संदर्भों के साथ स्वयं के अनुभवों को जोड़कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी को सुनकर उसका सार या भाव को अपने शब्दों में बता पाना।	I																									
	II																									
अपने परिवेश या सामाजिक मुद्दों पर चर्चा के दौरान अपनी बात को समूह में व्यक्त कर पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
दिए गए संदर्भ के आधार पर दो पात्रों के मध्य संवाद को कल्पना करते हुए बता पाना।	I																									
	II																									
सुनी हुई कहानी/कविता /नाटक के बारे में अपनी बात को पसंद या नापसंद के संदर्भ में रख पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
विराम चिह्न को ध्यान में रखते हुए उचित गति व स्पष्ट उच्चारण, भाव के साथ पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/ प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
पहेलियों को पढ़कर उनके अर्थ का अनुमान लगाकर उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
दी गयी शब्द सामग्री को प्रवाह के साथ पढ़ पाना एवं पठित सामग्री की समझ को अपने शब्दों में व्यक्त करना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
विचारों एवं घटनाओं को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।	I																									
	II																									
पठित सामग्री में आए नवीन शब्दों/परिवेशीय शब्दों के अर्थ एवं मानक रूप को समझ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु को पढ़कर उससे सम्बन्धित जानकारियों को एकत्रित कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी, सीधी लाइन, शिरो रेखा के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्रों आदि को देखकर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए उचित विराम चिह्नों के साथ 6 से 8 वाक्य लिख पाना।	I																									
	II																									
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के जवाब स्वयं लिख पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार अपने अनुभवों एवं पूर्व अवलोकित चीज़ों के बारे में लिखकर व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
चित्रों की क्रमबद्धता को समझते हुए स्वयं कहानी लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
संज्ञा शब्दों की पहचान के साथ वर्गीकरण कर पाना।	I																									
	II																									
सर्वनाम शब्दों की पहचान एवं प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनको वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
मुहावरों की प्रारंभिक समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यायवाची शब्दों को पहचानते हुए प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विपरीत अर्थ वाले शब्दों की पहचान एवं वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
वचन एवं लिंग की पहचान कर पाना एवं उनका उचित स्थान पर प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
क्रिया की आरंभिक पहचान करते हुए वाक्य बना पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
संदर्भ के अनुसार पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार उचित रंग का संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी व पढ़ी कहानी, कविता, विशेष विषयवस्तु से सम्बन्धित एवं स्वतंत्र रूप से चित्र बना पाना एवं नाम दे पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री के बारे में जानकारी एकत्रित कर पाना एवं स्वयं बनाने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

(कक्षा–3 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* वर्णाकृतियों की ध्वनि पहचान करते हुए पढ़ पाना		I																								
		II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।		I																								
		II																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।		I																								
		II																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।		I																								
		II																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।		I																								
		II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।		I																								
		II																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।		I																								
		II																								
कक्षा –2	**विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना**	**माह**																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।		I																								
		II																								
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।		I																								
		II																								

संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									

शिक्षक के नोट्स